

पत्रावली पत्रा दुर्घ। वकील उर्ध्व अस्थिर।
 अपार्थी तहसीलदार बावडी से जवाब
 पार्थना पत्र प्राप्त। पार्थी अधिवक्ता
 की बहस सुनी गई। बहस पर मनन
 किया गया एवं पत्रावली का अवलोकन
 किया गया। पार्थी अधिवक्ता ने बहस
 में कथन किया कि राजस्व ग्राम अणवाणा
 के खसरा सं. 680, 818/2 कुल खसरान
 दो पार्थीगण की स्वतंत्र भूमि है।
 उक्त भूमि के राजस्व ^{सुम्ह} रिकॉर्ड में पार्थीगणों
 का नाम क्रमशः गणाराम एवं रुकी देवी
 दर्ज है जबकि वास्तविक नाम क्रमशः
 नवलाराम एवं दाकूड़ी है तथा समस्त
 दस्तावेजों इनका यही नाम दर्ज है। पार्थी
 अधिवक्ता ने कथन किया कि गणाराम व
 नवलाराम तथा रुकी देवी एवं दाकूड़ी एक
 ही व्यक्ति के नाम हैं जो दोनों एक ही हैं
 तथा निवेदन किया कि राजस्व रिकॉर्ड में
 नाम सुधार कर नवलाराम व दाकूड़ी
 इन्द्राज करवाने का आदेश फरमावे।

"आदेश"

पत्रावली का अवलोकन एवं बहस के
 मनन करने पर पार्थी के पार्थना पत्र को
 नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त के आधार पर
 स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार
 बावडी से प्राप्त मौका जांच रिपोर्ट अनुसार
 ग्राम अणवाणा के खसरा सं. 818/2 एवं
 680 में पार्थीगण का नाम सुद्ध कर
 क्रमशः नवलाराम एवं दाकूड़ी राजस्व
 रिकॉर्ड में इन्द्राज करवाने का आदेश तहसीलदार
 बावडी को दिया जाता है। तहसीलदार बावडी



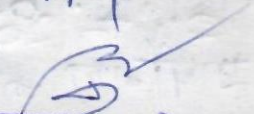
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

द्वारा प्रस्तुत मेका जैन्य रिपोर्ट इस
आदेश का अंग रहेगी। तहसीलदार
बावही को आदेश पालनार्थ तहसीर
जारी है।

पत्रावली फंसल बुगार होकर
नम्बर से कम होकर काखिल कफतर
है। फंसला खुले आयालय में
मज्मै आम सुनाया गया।


सहायक कलेक्टर एवं
अफसर अधिकारी, बावही